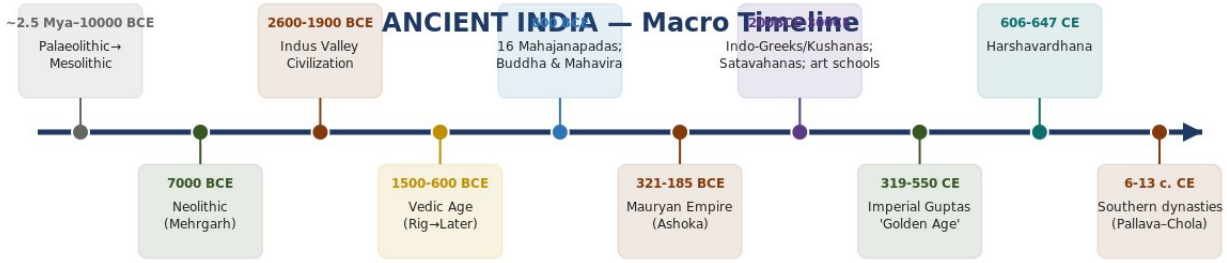
यूपीएससी सिविल सर्विसेज़ — मास्टर नोट्स

सामान्य अध्ययन पेपर I • इतिहास

प्राचीन भारत

प्रागैतिहासिक काल · सिंधु घाटी · वैदिक युग · महाजनपद · मौर्य · मौर्योत्तर · गुप्त · हर्ष · दक्षिणी राजवंश



चित्र: प्राचीन भारत का मैक्रो आर्क

> **टियर:** प्रीलिम्स + मेन्स + निबंध + इंटरव्यू — पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, मेन्स-वेटेड
> **स्टैंडर्ड:** एग्जामिनेशन-प्रूफ — PYQ-एंकर्ड, हिस्टोरियोग्राफी-अवेयर, ज़ीरो-फैब्रिकेशन
> **भरोसेमंद नियम:** पारंपरिक/बहस वाली तारीखें फ़्लैग की जाती हैं; कुछ भी बनाया नहीं जाता

अंतर्वस्तु

ब्लॉक A — सिलेबस मैप — सबटॉपिक चेकलिस्ट
ब्लॉक B — प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत + इस वॉल्यूम का उपयोग कैसे करें
ब्लॉक C — पूरी सामग्री (रीढ़):
CI — प्रागितिहास — पाषाण, ताम्रपाषाण और लौह युग
C-II — सिंधु घाटी सभ्यता — योजना, समाज, कला, पतन
C-III — वैदिक युग — आर्यन प्रश्न, समाज, साहित्य, धर्म
सी-IV — मौर्य-पूर्व — महाजनपद; हर्यक, शिशुनाग, नंद
CV — जैन धर्म और बौद्ध धर्म — महावीर, बुद्ध, विकास
C-VI — मौर्य साम्राज्य — चंद्रगुप्त से अशोक तक; प्रशासन; पतन
C-VII — मौर्योत्तर — इंडो-यूनानी, शक, कुषाण; सातवाहन; कला विद्यालय
C-VIII — शाही गुप्त — राजनीति, प्रशासन, स्वर्ण युग, अर्थव्यवस्था
C-IX — हर्षवर्धन — स्रोत, प्रशासन, समाज, धर्म
सीएक्स — दक्षिणी राजवंश — सातवाहन, पल्लव, चालुक्य, पांड्य, चोल, राष्ट्रकूट
ब्लॉक D / D+ — फैक्ट-लेयर + एक्सटेंडेड रिपॉजिटरी और ग्लॉसरी (रिविज़न सपोर्ट)
ब्लॉक E — दस एनालिटिकल डायमेंशन (मेन्स)
ब्लॉक F — जवाब लिखने का टूलकिट (इंट्रो · स्ट्रक्चर · निष्कर्ष)
ब्लॉक F+ — डिटेल्ड मेन्स मॉडल आंसर्स — 20+ पूरे सवाल और जवाब
ब्लॉक G–N — एनरिचमेंट · निबंध · इंटरव्यू · Static⇄CA · आम कन्फ्यूजन · PYQ और मेन्स के अनुमानित सवाल · रिवीजन · कवरेज ऑडिट

ब्लॉक A — सिलेबस मैप (सबटॉपिक चेकलिस्ट)

यह यूनिट GS-I हिस्ट्री की क्रोनोलॉजिकल बैकबोन है और प्रीलिम्स में भारी स्कोरर है। नीचे दी गई हर लाइन को कवरेज चेक में दोबारा ऑडिट किया जाता है।

1. प्रागितिहास

- ☐ पाषाण युग — पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण
- ☐ ताम्रपाषाण युग (तांबा-पत्थर संस्कृतियाँ)
- ☐ लौह युग (PGW → NBPW; दूसरा शहरीकरण)

2. सिंधु घाटी सभ्यता

- ☐ नगर नियोजन
- ☐ हड़प्पा समाज और अर्थव्यवस्था
- ☐ प्रमुख केंद्रों की विशेषताएं
- ☐ हड़प्पा कला और वास्तुकला
- ☐ हड़प्पा संस्कृति का पतन

3. वैदिक समाज

- ☐ आर्यों का मूल घर (आर्यन प्रश्न)
- ☐ वैदिक समाज का सामाजिक-आर्थिक चरित्र
- ☐ वैदिक साहित्य
- ☐ सामाजिक संगठन और वर्ण व्यवस्था
- ☐ धर्म और विचार

4. मौर्य-पूर्व काल

- ☐ महाजनपद (16)
- ☐ हर्यंक वंश
- ☐ शिशुनाग वंश
- ☐ नंद वंश

5. जैन धर्म और बौद्ध धर्म

- ☐ गौतम बुद्ध
- ☐ महावीर
- ☐ जैन धर्म और बौद्ध धर्म का विकास

6. मौर्य साम्राज्य

- ☐ चंद्रगुप्त और बिंदुसार
- ☐ अर्थशास्त्र (कौटिल्य)
- ☐ मेगस्थनीज
- ☐ अशोक और उसके उत्तराधिकारी
- ☐ अशोक के शिलालेख और स्थल
- ☐ अशोक का धम्म
- ☐ मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, समाज और कला
- ☐ मौर्यों का पतन

7. मौर्योत्तर भारत

- ☐ इंडो-यूनानी, शक, पार्थियन और कुषाण
- ☐ सातवाहन और अन्य स्वदेशी राजवंश
- ☐ कला विद्यालय — गांधार, मथुरा, अमरावती

8. शाही गुप्त

- ☐ राजनीतिक इतिहास
- ☐ प्रशासन
- ☐ कला और संस्कृति का विकास
- ☐ 'स्वर्ण युग' की बहस
- ☐ आर्थिक स्थितियाँ
- ☐ शहरी केंद्र

9. हर्षवर्धन

- ☐ स्रोत; प्रारंभिक जीवन
- ☐ प्रशासन और महत्वपूर्ण अधिकारी
- ☐ अर्थव्यवस्था

- ☐ हुएन त्सांग
- ☐ समाज और धर्म

10. दक्षिणी राजवंश

- ☐ सातवाहन (230 ईसा पूर्व–225 ईस्वी)
- ☐ पल्लव (330–796)
- ☐ चालुक्य (535–1190)
- ☐ मदुरै के पांड्य (590–1323)
- ☐ चोल (850–1310)
- ☐ राष्ट्रकूट (753–973)

इस वॉल्यूम का इस्तेमाल कैसे करें (और इसे 10/10 स्कोर कैसे मिलता है)

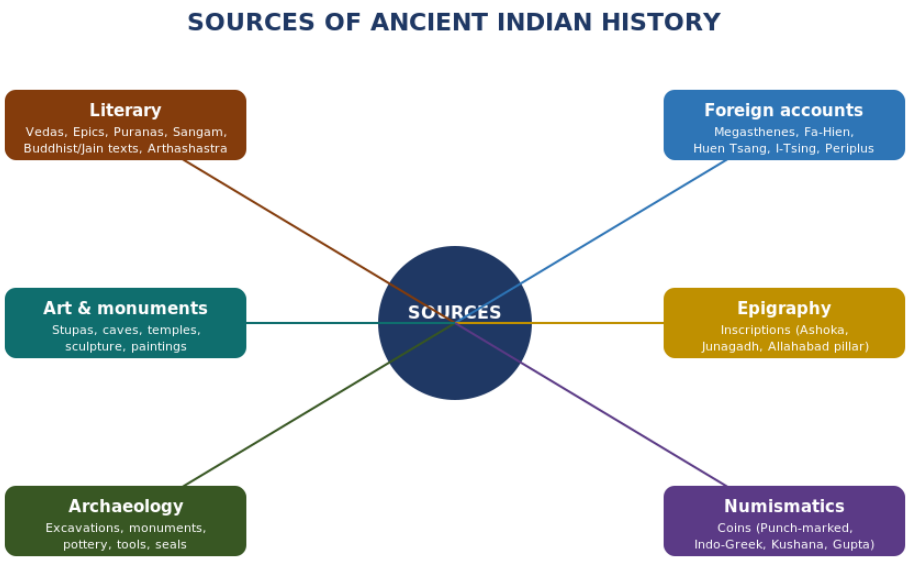
यह एक आंसर-राइटिंग इंजन है, फैक्ट-लिस्ट नहीं। ब्लॉक C में डीप कंटेंट होता है; रंगीन बॉक्स इसे मार्क्स में बदल देते हैं। बॉक्स-ग्रामर:

> **बॉक्स किंवदंती**
> **एग्जाम पॉइंट (गोल्ड):** सटीक फैक्ट/ट्रैप प्रीलिम्स टेस्ट
> **मेन्स एंगल (नीला):** GS-I के जवाबों के लिए एक तैयार एनालिटिकल लाइन
> **क्रिटिक / डिबेट (लाल):** वह काउंटर-व्यू जो 6/10 जवाब को 9/10 में बदल देता है
> **इतिहास लेखन (बैंगनी):** विद्वानों की व्याख्या — नाम बताइए, बढ़त हासिल कीजिए
> **इंटरलिंकेज (टील):** मल्टीडाइमेंशनैलिटी के लिए पीरियड्स/थीम्स के बीच क्रॉस-लिंक्स

टॉपर तरीका: (1) क्रोनोलॉजी को ठीक करें (कवर टाइमलाइन का इस्तेमाल करें); (2) हर थीम के साथ एक हिस्टोरियन + एक डिबेट जोड़ें; (3) हर दावे के लिए दो उदाहरण रखें; (4) हर पीरियड को बदलाव और कंटिन्यूटी के ज़रिए पढ़ें, न कि अलग-अलग फैक्ट्स के तौर पर।

खंड B — प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत

पुराना इतिहास टूटे-फूटे, अलग-अलग और अक्सर एकतरफ़ा सोर्स से फिर से बनाया जाता है; सोर्स के टाइप (और उनकी लिमिट) को जानना खुद Prelims/Mains में अक्सर पूछा जाने वाला टॉपिक है।



चित्र: प्राचीन भारत के छह सोर्स परिवार

B.1 साहित्यिक स्रोत

- **धार्मिक:** वेद, ब्राह्मण, उपनिषद, महाकाव्य (रामायण, महाभारत), पुराण (राजवंशीय वंशावली), और बौद्ध (त्रिपिटक, जातक) और जैन (आगम) सिद्धांत - समृद्ध लेकिन आलोचनात्मक रूप से उपयोग किए जाने चाहिए (शिक्षाप्रद, कालानुक्रमिक नहीं)।
- **सेक्युलर:** कौटिल्य का अर्थशास्त्र (स्टेटक्राफ्ट), पाणिनी की अष्टाध्यायी (ग्रामर - सोशल डेटा), पतंजलि का महाभाष्य, कालिदास के नाटक, बाणभट्ट का हर्षचरित (बायोग्राफी), संगम कॉर्पस (तमिल), कल्हण की राजतरंगिणी (कश्मीर - एक रेयर 'इतिहास')।

B.2 विदेशी खाते

यात्री / पाठ	अवधि / न्यायालय	कीमत
मेगस्थनीज (इंडिका)	चंद्रगुप्त मौर्य के लिए सेल्यूसिड दूत	मौर्य समाज, पाटलिपुत्र, 7-जाति योजना
एरिथ्रियन सागर का पेरिप्लस	पहली शताब्दी ई. (यूनानी)	भारत-रोमन व्यापार, बंदरगाह
टॉलेमी / प्लिनी	दूसरी शताब्दी ई.	भूगोल; रोमन सोने की निकासी
फ़ा-हियान (फ़ैक्सियन)	चंद्रगुप्त द्वितीय (गुप्त)	बौद्ध धर्म; सौम्य समाज
हुएन त्सांग (ज़ुआनज़ांग)	हर्षवर्धन	हर्ष का शासनकाल, नालंदा; 'तीर्थयात्रियों का राजकुमार'
इ-त्सिंग (यिजिंग)	7वीं शताब्दी के अंत में	नालंदा; बौद्ध धर्म

B.3 पुरातात्विक स्रोत

- **खुदाई और स्मारक:** हड़प्पा शहर, स्तूप, गुफाएं, मंदिर, उपकरण, टेराकोटा - पाठगत पूर्वाग्रह से स्वतंत्र भौतिक साक्ष्य (जैसे, संपूर्ण आईवीसी केवल पुरातात्विक रूप से ज्ञात है)।
- **एपिग्राफी (शिलालेख):** सबसे भरोसेमंद, तारीख वाला सोर्स — अशोक के शिलालेख (प्राकृत/ब्राह्मी), जूनागढ़ (रुद्रदामन, संस्कृत), हाथीगुम्फा (खारवेल), इलाहाबाद पिलर/प्रयाग-प्रशस्ति (समुद्रगुप्त), ऐहोल (पुलकेशिन II)। एपिग्राफी राजवंशों के समय की जानकारी का आधार है।
- **न्यूमिज़माटिक्स (सिक्के):** शासकों की तारीख बताते हैं, अर्थव्यवस्था/व्यापार/धर्म का पता लगाते हैं और 'खोए हुए' राजाओं (खासकर इंडो-ग्रीक) को वापस लाते हैं; गुप्त सोने के दीनार भी कला के सोर्स हैं।

▸ परीक्षा बिंदु

व्याख्या: जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी और खरोष्ठी (1837) का अर्थ निकाला - वह कुंजी जिसने अशोक के राज का राज खोला।

'तीर्थयात्रियों का राजकुमार': ह्वेन त्सांग (हर्ष); फा-हियान → गुप्त; मेगास्थनीज → मौर्य। इन्हें आपस में न बदलें।

▸ इतिहासलेखन

RS शर्मा (मटीरियल/मार्क्सिस्ट लेंस — लोहा, अर्बनाइज़ेशन, सोशल फ़ॉर्मेशन); DD कोसंबी (कंबाइंड मेथड — टेक्स्ट + आर्कियोलॉजी + एंथ्रोपोलॉजी); रोमिला थापर (सोशल हिस्ट्री, 'गोल्डन एज' की क्रिटिक); AL बाशम (ह्यूमेन सिंथेसिस)।
10/10 जवाब में सोर्स और उसकी लिमिटेशन बताई गई है (जैसे, पुराण बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं, विदेशी अकाउंट जाति को गलत समझते हैं)।

ब्लॉक C — पूरी सामग्री (पीरियड-बाय-पीरियड, मेन्स डेप्थ)

हर पीरियड को इस तरह माना जाता है: सेटिंग → सोसाइटी/इकॉनमी/पॉलिटी → कल्चर → डिबेट्स → एग्जाम/मेन्स वैल्यू। रंगीन बॉक्स मार्क-मल्टीप्लायर हैं।

CI प्रागितिहास — पाषाण, ताम्रपाषाण और लौह युग

PREHISTORIC INDIA — The Stone & Chalcolithic Ages

PALAEOLITHIC	MESOLITHIC	NEOLITHIC	CHALCOLITHIC
~2.5 Mya – 10000 BCE	~10000 – 6000 BCE	~7000 – 1000 BCE	~3000 – 1000 BCE
Hunting-gathering; nomadic	Hunting + early herding	Farming + settled villages	First metal: COPPER + stone
Quartzite hand-axes,	Microliths (tiny blades)	Polished stone axes; pottery	Painted pottery (BRW)
cleavers (Lower);	Rock paintings (Bhimbetka)	Wheat/barley/rice; cattle	Rural; pre/contemp. Harappa
flake tools (Mid/Upper)	First domestication	Burials, querns	Cultures: Ahar, Malwa,
Bhimbetka, Hunsgi, Soan	Bagor, Langhnaj, Adamgarh	Mehrgarh, Burzahom, Chirand	Jorwe, Kayatha

Iron Age (Painted Grey Ware, c.1200–600 BCE → NBPW): iron tools enabled forest-clearing, surplus, the 2nd urbanisation & states.

चित्र: प्रागैतिहासिक भारत — पाषाण और ताम्रपाषाण युग

CI.1 पाषाण युग

- **पैलियोलिथिक (पुराना पाषाण युग, ~2.5 Mya – 10,000 BCE):** शिकार-संग्रह, खानाबदोश समूह; बिना पॉलिश किए क्वार्टजाइट के औजार

('सोहन/सोन' और 'मद्रास' उद्योग)। सब-फेज: लोअर (हैंड-एक्सेस, क्लीवर — एच्यूलियन), मिडिल (फ्लेक टूल्स), अपर (ब्लेड, ब्यूरिन; पहली कला)। जगहें: भीमबेटका (मध्य प्रदेश — रॉक शेल्टर और पेंटिंग, UNESCO), हुंसगी, अत्तिरमपक्कम, सोन घाटी। रॉबर्ट ब्रूस फूट (1863, पल्लवरम) ने पहला इंडियन पैलियोलिथ खोजा।

- **मेसोलिथिक (मिडिल स्टोन एज, ~10,000 – 6,000 BCE):** क्लाइमेट वार्मिंग का एक ट्रांज़िशनल युग; डायग्नोस्टिक टूल माइक्रोलिथ (छोटे ज्योमेट्रिक ब्लेड, अक्सर हफ़्टेड) है। जानवरों को पालतू बनाने की शुरुआत (आदमगढ़, बागोर) और सबसे रिच रॉक-आर्ट (भीमबेटका)। जगहें: बागोर, लंगहनाज, सराय नाहर राय (शुरुआती इंसानों की कब्रें)।
- **नियोलिथिक (नया पाषाण युग, ~7,000 – 1,000 BCE):** 'नियोलिथिक क्रांति' — खेती वाले गांव बसे, पौधों (गेहूं, जौ, बाद में चावल) और जानवरों को पालतू बनाया गया, पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन, पहिया और बुनाई। मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) सबकॉन्टिनेंट का सबसे पुराना खेती वाला गांव है (IVC से पहले का); बुर्जहोम और गुफकराल (कश्मीर — गड्ढे वाले घर, कुत्तों को दफ़नाना); चिरांद (बिहार — हड्डी के औजार); कोल्डिहवा/महागरा (UP — सबसे पुराना चावल); दाओजली हेडिंग (NE); हल्लूर, मास्की, ब्रह्मगिरी, पिकलिहाल (दक्षिण — राख के टीले)।

> ▸ परीक्षा बिंदु
>
> **टूल ऑर्डर:** पैलियोलिथिक (हैंड-एक्स) → मेसोलिथिक (माइक्रोलिथ) → नियोलिथिक (पॉलिश्ड एक्स + पॉटरी)।
>
> **साइट टैग:** भीमबेटका→रॉक आर्ट; मेहरगढ़→सबसे पुरानी खेती; बुर्जहोम→गड्ढे वाले घर; कोल्डिहवा→सबसे पुराना चावल; फूटे→पहला भारतीय पैलियोलिथ।

CI.2 ताम्रपाषाण युग (ताम्र-पाषाण, ~3,000 – 1,000 ईसा पूर्व)

पत्थर के औजारों के साथ मेटल — कॉपर — का पहला इस्तेमाल, ग्रामीण, गैर-हड़प्पा खेती करने वाले समुदायों (कुछ हड़प्पा से पहले के, कुछ हड़प्पा के समय के, कुछ हड़प्पा के बाद के) ने किया। वे खास पेंट किए हुए सिरेमिक (अक्सर काले और लाल बर्तन) और पूरे मध्य/पश्चिमी भारत में ताम्रपाषाण संस्कृतियों के लिए जाने जाते हैं।

- **मुख्य कल्चर:** अहार-बनास (राजस्थान — गिलुंड), कायथा, मालवा (नवदाटोली), जोरवे (महाराष्ट्र — इनामगांव, सबसे ज़्यादा खुदाई हुई), सावल्दा; और गंगा-यमुना दोआब की कॉपर-होर्ड/OCP कल्चर।
- **खासियतें:** मिट्टी/गारे के घर, छिपी हुई शिशु मृत्यु दर, ताम्रपाषाण काल की कब्रें, कोई लिखावट नहीं, तांबा लेकिन लोहा नहीं; ज़्यादातर ग्रामीण — वे हड़प्पा के शहरी तौर-तरीकों से मेल नहीं खाते थे।

> ▸ आलोचना / बहस
>
> **'ब्रॉन्ज़' बनाम 'चाल्कोलिथिक':** हड़प्पा के लोग ब्रॉन्ज़-एज (कॉपर + टिन एलॉय, शहरी, पढ़े-लिखे) थे; उस समय के गांव के कल्चर चाल्कोलिथिक (कॉपर + पत्थर, ग्रामीण, कम पढ़े-लिखे) थे। इन्हें एक साथ न मिलाएं — यह एक आम प्रीलिम्स ट्रैप है।

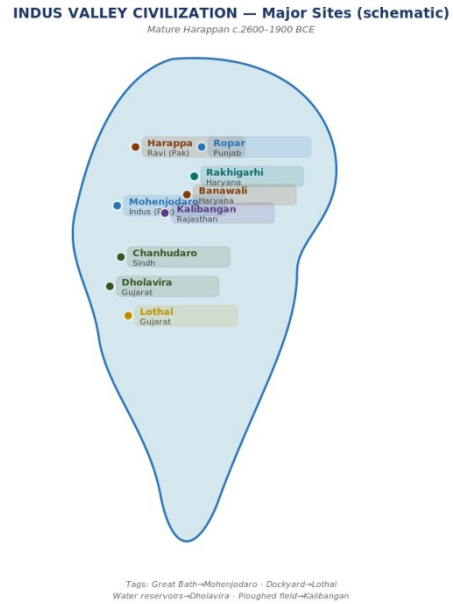
CI.3 लौह युग (~1,200 – 600 ईसा पूर्व से आगे)

- **लोहे का असर:** लोहे के औज़ारों (दोआब में PGW फ़ेज़, दक्षिण और विदर्भ में मेगालिथिक कल्चर) ने जंगल साफ़ करने, हल से खेती करने, सरप्लस, और इस तरह दूसरे शहरीकरण, महाजनपदों और राज्यों को मुमकिन बनाया। लोहा ही वह बड़ा ज़रिया है जो लेट-वैदिक को ऐतिहासिक युग से जोड़ता है।
- **मेगालिथ (दक्षिण भारत और विदर्भ):** लोहे का इस्तेमाल करने वाले समुदाय बड़े पत्थरों (सिस्ट, मेनहिर, डोलमेन) से कब्रें बनाते थे, उन्हें काले और लाल बर्तन और लोहे की चीज़ों के साथ दफ़नाया जाता था — ब्रह्मगिरी, आदिचनल्लूर, हल्लूर। ये संगम युग से पहले के हैं।

> ▸ अंतर्संबंध
>
> **लोहा ↔ राज्य निर्माण:** RS शर्मा की थीसिस: लोहे की कुल्हाड़ियों ने बीच-गंगा के जंगलों को साफ किया → खेती का सरप्लस → सामाजिक स्तरीकरण → मगध का उदय। यह प्रागैतिहासिक काल को सीधे महाजनपद/मौर्य कथा से जोड़ता है।

सी-II सिंधु घाटी (हड़प्पा) सभ्यता (लगभग 2600–1900 ईसा पूर्व)

भारत का पहला शहरीकरण और दुनिया की तीन सबसे पुरानी कांस्य युग की सभ्यताओं (मेसोपोटामिया और मिस्र के साथ) में से एक, जो लगभग 1.5 मिलियन sq km में फैली हुई थी — तीनों में सबसे बड़ा। 1921-22 में खोजी गई (दया राम साहनी द्वारा हड़प्पा; आरडी बनर्जी द्वारा मोहनजोदड़ो), इसने भारतीय इतिहास को दो हज़ार साल पीछे धकेल दिया।



चित्र: प्रमुख हड़प्पा स्थल (स्कीमैटिक)

सी-II.1 टाउन प्लानिंग (मुख्य विशेषता)

फीचर्स: एक ग्रिड-आयरन स्ट्रीट प्लान (राइट-एंगल); एक बाइपार्टाइट शहर — पश्चिम में एक ऊंचा, मजबूत सिटाडेल (पब्लिक/रिचुअल बिल्डिंग्स) और पूर्व में एक लोअर टाउन (रेजिडेंशियल/आर्टिसनल); 4:2:1 रेश्यो में स्टैंडर्डाइज्ड भट्ठी में पकी ईंटें; और एक बड़ा कवर्ड ड्रेनेज सिस्टम (हाउस-ड्रेन्स → स्ट्रीट-ड्रेन्स विद मैनहोल्स एंड सोक-पिट) — दुनिया का पहला अर्बन सैनिटेशन।

- **मशहूर इमारतें:** ग्रेट बाथ (मोहनजोदड़ो — जिप्सम और बिटुमेन से पानी रोकने वाला, शायद पूजा-पाठ का); ग्रेट ग्रैनरी; लोथल का डॉकयार्ड (ज्वार वाला बंदरगाह, सबसे पहले पता चला); खंभों वाले असेंबली हॉल; घरों में कुएं और नहाने के प्लेटफॉर्म।

C-II.2 प्रमुख केंद्रों की विशेषताएं (साइट-टैग)

साइट (नदी / राज्य)	खुदाई करने वाला / तारीख	विशिष्ट खोजें
हड़प्पा (रावी, पंजाब-पाक)	दया राम साहनी, 1921	अनाज के भंडार, काम करने के प्लेटफॉर्म, कब्रिस्तान R-37, ताबूत दफन
मोहनजोदड़ो (सिंधु, सिंध)	आर.डी. बनर्जी, 1922	ग्रेट बाथ, अन्न भंडार, 'पुजारी-राजा', डांसिंग गर्ल, पशुपति सील
धोलावीरा (गुजरात)	आरएस बिष्ट	तीन गुना बँटवारा, बड़े पानी के भंडार, 'साइनबोर्ड' (यूनेस्को)
लोथल (गुजरात)	एसआर राव	डॉकयार्ड, मोतियों की फैक्ट्री, चावल की भूसी, अग्नि-वेदी, टेराकोटा जहाज
कालीबंगन (राजस्थान)	बी बी लाल/थापर	जुता हुआ खेत, अग्नि-वेदी, लकड़ी की जल निकासी
राखीगढ़ी (हरियाणा)	—	सबसे बड़ी हड़प्पा साइट; aDNA स्टडी
चन्हूदड़ो (सिंध)	—	मनके बनाना; बिना किले वाला अकेला शहर; बिल्ली और कुत्ते के प्रिंट
बनावली (हरियाणा)	—	रेडियल सड़कें; टॉय प्लो; प्री और मैच्योर दोनों फेज़
सुरकोटदा (गुजरात)	—	घोड़े की हड्डियाँ (बहस); कब्रिस्तान

सी-II.3 हड़प्पा समाज और अर्थव्यवस्था

- **समाज:** काफ़ी बराबरी वाला/मर्केंटाइल (कोई महल नहीं, कोई शाही मकबरा नहीं, कोई बड़े मंदिर नहीं पहचाने गए); शायद मातृवंशीय/माँ-देवी पर ज़ोर; स्टैंडर्ड वज़न (बाइनरी 1,2,4,8…फिर डेसिमल) का मतलब है सिविक रेगुलेशन।
- **इकॉनमी:** बड़ा ट्रेड — अंदरूनी (कच्चा माल) और बाहरी (मेसोपोटामिया, जहाँ भारत को 'मेलुहा' कहा जाता था); सील और एक स्टैंडर्ड वज़न-सिस्टम; खेती (गेहूँ, जौ, कपास की पहली खेती — यूनानियों के लिए 'सिंडोन'); क्राफ्ट स्पेशलाइज़ेशन (मोती, चूड़ियाँ, मेटलर्जी, सील-कटिंग)।
- **लिपि और धर्म:** एक पिक्चर वाली लिपि (बुस्ट्रोफेडॉन, दाएं से बाएं लिखी जाती है), अभी भी समझ में नहीं आई (~400 निशान); मुहरों से धर्म का अंदाज़ा लगाया गया — पहले के शिव/पशुपति, देवी-देवता, पीपल के पेड़ और जानवरों की पूजा, यूनिकॉर्न, स्वस्तिक; मंदिरों का कोई पक्का सबूत नहीं।

सी-II.4 हड़प्पा कला और वास्तुकला

- **कला:** कांसे की 'डांसिंग गर्ल' (सिएरे-परड्यू/लॉस्ट-वैक्स — सबसे पुरानी); स्टीटाइट 'प्रीस्ट-किंग'; लाल बलुआ पत्थर और ग्रे पत्थर के धड़ (हड़प्पा); टेराकोटा

की मूर्तियाँ (माँ-देवी, खिलौने, जानवर); शानदार स्टीटाइट सील (यूनिकॉर्न-बैल सबसे आम); बढ़िया ज्वेलरी, मोतियों का काम (कार्नेलियन) और पेंट किए हुए मिट्टी के बर्तन (लाल और काले)।

- **आर्किटेक्चर:** पकी हुई ईंटों का शहरीकरण (ऊपर); बड़े स्मारकों का न होना ही इसकी खासियत है — शाही दिखावे के बजाय सिविक इंजीनियरिंग।

C-II.5 हड़प्पा संस्कृति का पतन (लगभग 1900 ईसा पूर्व)

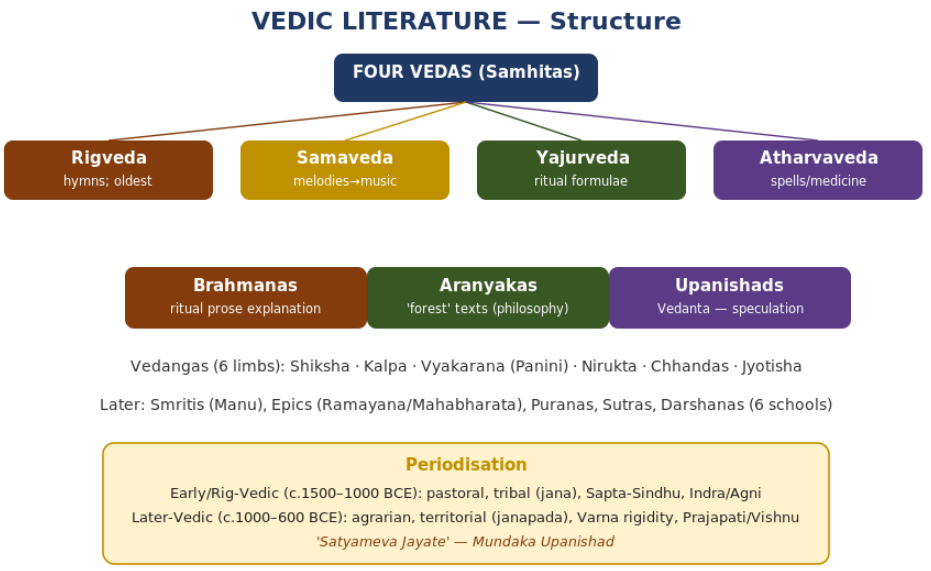
कोई एक वजह नहीं मानी जाती; मैच्योर सभ्यता धीरे-धीरे 'डी-अर्बनाइज़्ड' हो गई, गायब होने के बजाय। अलग-अलग वजहें:

- **पर्यावरण:** नदियों का सूखना/स्थान बदलना (सरस्वती-घग्गर-हकरा), टेक्टोनिक बदलाव, बाढ़ (मोहनजोदड़ो की बार-बार बनी गाद की परतें), सूखापन और मानसून का कमज़ोर होना — अब विद्वानों का मुख्य नज़रिया।
- **दूसरी हाइपोथीसिस:** इकोलॉजिकल गिरावट (जंगलों की कटाई, खारापन, ज़्यादा चराई); मेसोपोटामिया के व्यापार में गिरावट; महामारियां; और पुराना 'आर्यन हमला' (मोहनजोदड़ो में व्हीलर का 'नरसंहार') — जिसे अब एक ही वजह मानकर काफी हद तक खारिज कर दिया गया है।

> ▸ **आलोचना / बहस**
>
> व्हीलर की 'आर्यन हमला → नरसंहार' थीसिस गलत है (कंकाल एक घटना के नहीं हैं, और कोई साफ विनाश की परत नहीं है)। 'जलवायु/नदी में बदलाव + सिस्टमिक तनाव से धीरे-धीरे शहरीकरण खत्म होना' को प्राथमिकता दें।
> 'इंडस-सरस्वती' शब्द का इस्तेमाल सावधानी से करें — नामकरण राजनीतिक रूप से चार्ज किया गया है; जवाब में, नदी के घटने के सबूत को न्यूट्रल तरीके से पेश करें।

> ▸ **मेन्स एंगल — IVC वैल्यू-लाइन्स**
>
> कंटिन्यूटी थीसिस: हड़प्पा की कई खासियतें (धार्मिक स्नान, देवी-देवता, पीपल/जानवरों की आकृतियाँ, वज़न, कपास, शहर की ड्रेनेज) बाद की भारतीय संस्कृति में भी शामिल हुईं — जो 'सभ्यता में बदलाव' का जवाब है।
> गवर्नेंस का नज़रिया: बेहतर सिविक ऑर्गनाइज़ेशन के सबूत के तौर पर टाउन-प्लानिंग, स्टैंडर्डाइज़ेशन और सैनिटेशन — 'अर्बन प्लानिंग / सैनिटेशन / स्मार्ट सिटीज़' GS-I/II फ्रेमिंग के लिए एक साफ़ लिंक।

सी-III वैदिक युग (लगभग 1500–600 ईसा पूर्व)



चित्र: वैदिक साहित्य — संरचना और काल-विभाजन

C-III.1 आर्यों का मूल घर ('आर्यन प्रश्न')

'आर्य' एक भाषा-संस्कृति वाला लेबल है, नस्ल का नहीं। होमलैंड पर बहस मेन्स/एस्से का हमेशा चलने वाला विषय है — अलग-अलग थीसिस को सही तरीके से पेश करें।

थीसिस	समर्थकों का	मुख्य दावा
मध्य एशियाई / स्टेपी (मुख्यधारा)	मैक्स मुलर (मूल), ज़्यादातर भाषाविद; aDNA स्टडीज़	इंडो-आर्यन बोलने वाले लोग लगभग 1500 BCE में पोंटिक-कैस्पियन मैदान से माइग्रेट हुए (माइग्रेशन, 'इनवेज़न' नहीं)
आर्कटिक घर	बी.जी. तिलक	'वेदों में आर्कटिक का घर' — खगोलीय संदर्भों से

थीसिस	समर्थकों का	मुख्य दावा
स्वदेशी / भारत से बाहर	कुछ भारतीय विद्वान	आर्य मूल निवासी थे; इंडो-यूरोपियन भारत से बाहर फैले
तिब्बत / सप्त-सिंधु	दयानंद / एसी दास	उपमहाद्वीप के भीतर या उसके निकट

▸ **आलोचना / बहस**

बहस की स्थिति: हाल के पुराने DNA काम से पता चलता है कि दूसरी सहस्राब्दी BCE में दक्षिण एशिया में मैदानी-पशुपालकों का जीन-फ्लो हुआ था (माइग्रेशन और मिलावट, बड़े पैमाने पर हमला नहीं); 'आर्यन' = भाषा-संस्कृति, कभी नस्ल नहीं। 'हमले' और जीत की चाहत रखने वाले 'पूरी तरह से देसी' दोनों तरह के एक्सट्रीम से बचें — जांच करने वाले बैलेंस को इनाम देते हैं।

सी-III.2 वैदिक साहित्य

- **संहिता (4 वेद):** ऋग्वेद (10 मंडलों में 1,028 भजन — सबसे पुराने; II–VII 'परिवार की किताबें'; गायत्री मंत्र और पुरुष-सूक्त [X.90, चार वर्ण] यहाँ हैं); सामवेद (धुन — भारतीय संगीत की जड़); यजुर्वेद (यज्ञ के सूत्र — पहला गद्य); अथर्ववेद (मंत्र, दवा, लोक विश्वास)।
- **बाद की लेयर्स:** ब्राह्मण (रीति-रिवाज), आरण्यक ('वन ग्रंथ'), उपनिषद/वेदांत (दर्शन — आत्मा-ब्रह्म, '~108', मशहूर बृहदारण्यक, छांदोग्य, कथा, मुंडक — 'सत्यमेव जयते')। फिर वेदांग (6), स्मृतियाँ, महाकाव्य, पुराण और छह दर्शन।

सी-III.3 सामाजिक-आर्थिक चरित्र - प्रारंभिक बनाम उत्तर वैदिक

पहलू	प्रारंभिक/ऋग्वैदिक (1500–1000 ईसा पूर्व)	उत्तर वैदिक (1000-600 ईसा पूर्व)
भूगोल	सप्त-सिंधु (पंजाब-अफगान)	दोआब → पूर्व की ओर गंगा के मैदानों तक
अर्थव्यवस्था	पशुचारण; मवेशी (गौ) = धन; सीमित खेती	कृषि; लोहा (कृष्ण-अयास); ज़मीन के मामले
राजनीति	जन; राजन + सभा और समिति; कोई इलाका नहीं	क्षेत्रीय राज्य (जनपद/राष्ट्र); राजा ताकतवर; अनुष्ठान (अश्वमेध)
समाज	वर्ण तरल; महिलाएं तुलनात्मक रूप से बेहतर स्थिति में	वर्ण कठोर (4 निश्चित); महिलाओं की स्थिति में गिरावट
धर्म	प्रकृति के देवता — इंद्र, अग्नि, वरुण; यज्ञ, कोई मूर्ति/मंदिर नहीं	प्रजापति, विष्णु, रुद्र का उदय; विस्तृत अनुष्ठान; उपनिषदिक विद्रोह के बीज

सी-III.4 सामाजिक संगठन और वर्ण व्यवस्था

- **शुरुआत:** पुरुष-सूक्त (ऋग्वेद X.90) में सबसे पहले चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) का नाम बताया गया है, जो ब्रह्मांडीय सत्ता से पैदा हुए थे — शुरू में काम/तरल, जो बाद के वैदिक युग में जन्म पर आधारित, ऊँच-नीच वाले क्रम में मज़बूत हुए; गोत्र और आश्रम (जीवन के 4 चरण) और पुरुषार्थ (4 लक्ष्य) की योजनाएँ भी साफ़ हुईं।
- **महिलाएं और परिवार:** पुरुष प्रधान, लेकिन शुरुआती दौर में पढ़ी-लिखी महिलाओं (गार्गी, लोपामुद्रा, मैत्रेयी, अपाला — ऋषिकाएं) के साथ सभा में हिस्सा लेना; बाद के दौर में स्टेटस में गिरावट, रस्मों/उपनयन से बाहर रखा जाना, और बाद में पाबंदियों के बीज पड़े।

सी-III.5 धर्म और विचार

- **कर्मकांड से लेकर दर्शन तक:** संहिताओं के बलि, देव-केंद्रित यज्ञ से, कर्मकांड-भारी ब्राह्मण ग्रंथों के माध्यम से, दार्शनिक उपनिषदिक मोड़ तक — कर्म, संसार, मोक्ष, आत्मा = ब्रह्म — वह बौद्धिक उथल-पुथल जिसने 6वीं शताब्दी BCE की विषम (बौद्ध/जैन/आजीविका/चार्वाक) प्रतिक्रियाओं को भी जन्म दिया।

▸ **मुख्य कोण — वैदिक सातत्य और परिवर्तन**

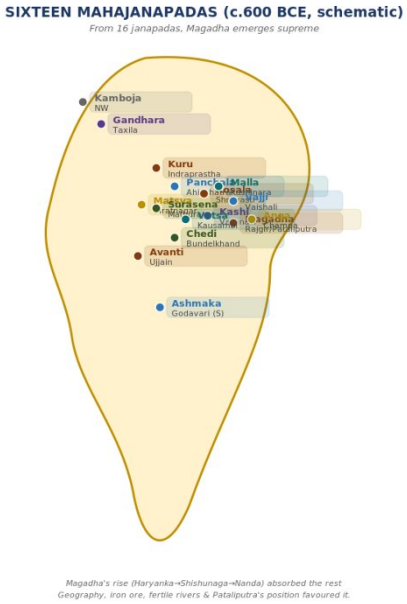
वैदिक युग को कबीले से राज्य और कर्मकांड से दर्शन की ओर बदलाव के रूप में देखें — जो बाद के हिंदू विचारों, वर्ण व्यवस्था और (प्रतिक्रिया में) बौद्ध-जैन धर्म का आधार बना।

वर्ण/महिलाओं पर: तरल से कठोर तक कठोरता को इस बात के प्रमाण के रूप में देखें कि सामाजिक पदानुक्रम ऐतिहासिक रूप से निर्मित है, शाश्वत नहीं है - एक सूक्ष्म, सुविचारित रेखा।

▸ **इतिहासलेखन**

व्याख्याएँ: RS शर्मा (मटीरियल बेसिस — मवेशी→ज़मीन, लोहा→स्टेट); रोमिला थापर (वंश से स्टेट, फिक्स्ड वर्ण की आलोचना); आर्यन-सवाल लिटरेचर (मुलर→तिलक→aDNA). गहराई के लिए कम से कम एक का ज़िक्र करें।

C-IV मौर्य-पूर्व भारत — महाजनपद और मगध का उदय



चित्र: सोलह महाजनपद (योजनाबद्ध)

C-IV.1 सोलह महाजनपद (लगभग 600 ईसा पूर्व)

आयरन, सरप्लस और दूसरे अर्बनाइज़ेशन से 16 बड़े राज्य बने (महाजनपद — बौद्ध अंगुत्तर निकाय और जैन भगवती सूत्र में लिस्टेड)। वे दो तरह के थे: राजशाही (जैसे, मगध, कोसल, वत्स, अवंती — 'बड़े चार') और गण-संघ (ओलिगार्किक रिपब्लिक — जैसे, लिच्छवियों के अंडर वज्जि कॉन्फेडेरसी, मल्ल, कपिलवस्तु के शाक्य)।

▸ परीक्षा बिंदु

रिपब्लिक: वज्जि (लिच्छवि) और मल्ल गणसंघ (ओलिगार्की) थे — एक शुरुआती गैर-राजशाही परंपरा; वैशाली को अक्सर शुरुआती 'रिपब्लिक' कहा जाता है।

बड़े चार: मगध, कोसल, वत्स, अवंती ने वर्चस्व के लिए प्रतिस्पर्धा की - मगध जीता।

C-IV.2 मगध की विजय क्यों हुई

- **कारण:** उपजाऊ मिट्टी और डबल क्रॉपिंग; औजारों और हथियारों के लिए आयरन ओर (राजगीर-गया); गंगा व्यापार और नदी ट्रांसपोर्ट पर कंट्रोल; कुदरती किले की राजधानियाँ (राजगीर की पहाड़ियाँ, नदी के संगम पर पाटलिपुत्र); पूर्वी जंगलों से जंगी हाथी; और कई बड़े, बेईमान शासक।

C-IV.3 मगध के राजवंश

राजवंश	प्रमुख शासक	हाइलाइट
हर्यंक (लगभग 544–412 ईसा पूर्व)	बिम्बिसार; अजातशत्रु; उदयिन	बिम्बिसार — शादी के रिश्ते, बुद्ध के दोस्त; अजातशत्रु — कोसल और वज्जि के साथ युद्ध (युद्ध के इंजन बनाए: रथमुसल, महाशिलाकंटक), राजगीर में पहली बौद्ध परिषद; उदयिन ने पाटलिपुत्र बसाया
शिशुनाग (लगभग 412–344 ईसा पूर्व)	शिशुनाग; कालाशोक	अवंती की शक्ति को नष्ट कर दिया; कालाशोक ने दूसरी बौद्ध परिषद (वैशाली) आयोजित की
नंदा (लगभग 344–321 ईसा पूर्व)	महापद्म नन्द; धन नन्द	पहले महान साम्राज्य बनाने वाले ('एकराट', 'क्षत्रियों को उखाड़ फेंकने वाले'); बहुत बड़ी सेना और दौलत; धना नंदा ('अग्रम्मेस/ज़ैंड्रामेस' जिन्होंने सिकंदर को रोका था) को चंद्रगुप्त मौर्य + चाणक्य ने उखाड़ फेंका

▸ अंतर्संबंध

सिकंदर का हमला (326 BCE): सिकंदर ने सिंधु नदी पार की, पोरस के खिलाफ हाइडस्पेस (झेलम) की लड़ाई जीती, लेकिन नंद सेना के डर से उसकी सेना ने ब्यास नदी पर बगावत कर दी। असर: भारत-पश्चिम संपर्क खुला (इंडो-ग्रीक के बाद), और NW में राजनीतिक खालीपन जिसे चंद्रगुप्त ने जल्द ही भर दिया।

CV जैन धर्म और बौद्ध धर्म (श्रमण क्रांति, 6th c. BCE)

BUDDHISM vs JAINISM (the heterodox 'Shramana' movements)

BUDDHISM	JAINISM
• Founder: Gautama Buddha	• 24 Tirthankaras; Mahavira 24th
• (563/480 BCE, Lumbini)	• (540 BCE, Kundagrama)
• 4 Noble Truths; 8-fold Path	• 5 vows; Anekantavada/Syadvada
• Middle Path; anatta (no-soul)	• Extreme ahimsa; soul (jiva)
• Tripitaka (Pali)	• Agamas (Ardhamagadhi Prakrit)
• Councils: Rajgir→Vaishali→	• Councils: Pataliputra→Valabhi
• Pataliputra(Ashoka)→Kashmir(Kanishka)	• (canon compiled at Valabhi)
• Hinayana / Mahayana / Vajrayana	• Digambara / Svetambara

Shared context (c.6th c. BCE): reaction to Vedic ritualism & caste; vernacular (Pali/Prakrit); royal & mercantile patronage; non-violence; karma & rebirth; rise during the 2nd urbanisation. Both spread along trade routes & via Mauryan support.

चित्र: बौद्ध धर्म बनाम जैन धर्म — संस्थापक, सिद्धांत, परिषदें, संप्रदाय

CV.1 6वीं सदी ईसा पूर्व क्यों? (हेटेरोडॉक्स उछाल के कारण)

- **संदर्भ:** वैदिक रीति-रिवाजों की ज़्यादाता और ब्राह्मण/पुजारियों की मोनोपॉली के खिलाफ रिएक्शन; क्षत्रियों (दोनों फाउंडर क्षत्रिय थे) और बढ़ते वैश्य व्यापारी वर्ग (जिन्होंने इज्ज़त और सूदखोरी के लिए सही नैतिकता हासिल की) की नाराज़गी वाली सख्त वर्ण व्यवस्था; दूसरे शहरीकरण की नई शहरी, पैसे वाली इकॉनमी; और एक आम बौद्धिक उबाल (आजिविका भी — मक्खलि गोसाल; चार्वाक/लोकायत भौतिकवाद)।

CV.2 महावीर और जैन धर्म

- **महावीर (540–468 BCE):** वर्धमान, 24वें और आखिरी तीर्थंकर (23वें पार्श्वनाथ ऐतिहासिक थे, लगभग 250 साल पहले), कुंडग्राम (वैशाली) में जन्मे, एक क्षत्रिय; कैवल्य (सबकुछ जानने वाला) प्राप्त किया, जिन ('विजेता') और महावीर की उपाधि प्राप्त की।
- **सिद्धांत:** त्रिरत्न: सही विश्वास, सही ज्ञान, सही आचरण; पाँच व्रत (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, + महावीर का ब्रह्मचर्य); अत्यधिक अहिंसा; अनेकांतवाद (सत्य के कई पहलू) और स्याद्वाद ('शायद' वाला तर्क); सभी चीज़ों में जीव (आत्मा) और कर्म को सूक्ष्म पदार्थ मानना; तप से मुक्ति (यहाँ तक कि सल्लेखना/संथारा — मौत तक व्रत)।
- **संप्रदाय और फैलाव:** दिगंबर ('आसमान में कपड़े पहनने वाले') और श्वेतांबर ('सफेद कपड़े पहनने वाले') में बंटा हुआ; पाटलिपुत्र (चंद्रगुप्त-काल, भद्रबाहु) और वल्लभी (अर्धमागधी प्राकृत में संकलित कैनन) में परिषदें। चंद्रगुप्त मौर्य, खारवेल, चालुक्य, राष्ट्रकूट और गुजरात के सोलंकियों द्वारा संरक्षण प्राप्त; समृद्ध साहित्यिक और स्थापत्य विरासत।

CV.3 गौतम बुद्ध और बौद्ध धर्म

- **बुद्ध (563–483 BCE, पारंपरिक):** सिद्धार्थ गौतम, लुम्बिनी (कपिलवस्तु) में जन्मे एक शाक्य क्षत्रिय; चार दर्शन → महाभिनिष्क्रमण; बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान (निर्वाण); सारनाथ में पहला उपदेश (धर्मचक्र-प्रवर्तन); कुशीनगर में महापरिनिर्वाण।
- **सिद्धांत:** चार आर्य सत्य (दुख, उसकी वजह-लालसा, उसका अंत, रास्ता) और आठ गुना रास्ता (भोग और तप के बीच का रास्ता); अनत्ता (कोई पक्का आत्मा नहीं — जैन धर्म/वेदांत के खिलाफ), अनिच्च (नश्वरता), आश्रित उत्पत्ति (प्रतीत्यसमुत्पाद); अहिंसा, कर्म और पुनर्जन्म; लक्ष्य के तौर पर निर्वाण; शुरू में भगवान के बारे में चुप।
- **काउंसिल और स्कूल:** चार काउंसिल — राजगीर (अजातशत्रु; कैनन का पाठ) → वैशाली (कलाशोक; पहला विभाजन) → पाटलिपुत्र (अशोक; थेरवाद को फाइनल किया गया, मिशन भेजे गए) → कश्मीर (कनिष्क; महायान को क्रिस्टलाइज़ किया गया, संस्कृत में टेक्स्ट)। स्कूल: हीनयान/थेरवाद ('छोटा वाहन', खुद की कोशिश, पाली), महायान ('बड़ा वाहन', बोधिसत्व, भगवान के रूप में बुद्ध, संस्कृत), वज्रयान (तांत्रिक, खासकर पूर्वी भारत/तिब्बत)।

▸ **परीक्षा बिंदु**

4 जगहें: लुम्बिनी (जन्म) · बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) · सारनाथ (पहला उपदेश) · कुशीनगर (मृत्यु)।

परिषदें ↔ राजा: राजगीर-अजातशत्रु, वैशाली-कलाशोक, पाटलिपुत्र-अशोक, कश्मीर-कनिष्क।

पहले प्रवचन की मुद्रा: धर्मचक्र-प्रवर्तन (सारनाथ)।

▸ **मुख्य कोण — श्रमण आंदोलनों का महत्व**